Paper – VI

Trade Union Movement and Social Security in the U.S.A.

ग्रेट ब्रिटेन में श्रमिक आन्दोलन विशुद्धत: आर्थिक उद्देश्यों से हुआ था। अमेरिका में यह आन्दोलन कुछ सामाजिक एवं राजनीतिक उद्देश्यों से संलिप्त था। ग्रेट ब्रिटेन में श्रमिक राजनीतिक कार्यों में सक्रिय भाग ले सकते हैं, किन्तु अमेरिकी श्रमिक राजनीतिक कार्यों से वंचित हैं।

अमेरिकी श्रम संघीयता का विकास :-

1. औपनिवेशिक काल :→ अमेरिकी श्रमिक-संघ आन्दोलन का आदि काल औपनिवेशिक काल है। इस काल में केवल लघु एवं कुटीर उद्योग पाये जाते थे। श्रमबल इतना शक्तिशाली नहीं था, और यही बात श्रम-आन्दोलन के साथ भी थी।

2. सुषुप्त काल :→ प्रो० बोगार्ट एवं प्रो० केमरर ने सन् 1766 से 1820 ई० तक के काल को 'सुषुप्त काल' कहा है।

3. 'जागरण काल' :→ 1820 ई० से 1840 ई० तक का काल अमेरिकी श्रम-संघ आन्दोलन का जागरण काल कहा गया है। इस काल में ही राष्ट्रीय श्रमिक संघ संगठित किया गया। उनके उद्देश्य निम्नलिखित थे :-

(i) उच्चतर मजदूरी में कमी को रोकना;

(ii) श्रमिकों के बच्चों के लिए नि:शुल्क विद्यालयों की व्यवस्था करना;

(iii) ऋण के लिए कारावास के दण्ड को समाप्त करवाना;

(iv) काम करने के कम घंटे एवं मजदूरी के नियमित भुगतान की व्यवस्था करना।
इस प्रकार छोटे-छोटे श्रमिकों ने अपने आप को एक केंद्रीय श्रम-संस्था के रूप में संगठित करने का प्रयास किया। 1827 ई० में फिलाडेल्फिया मिस्त्री व्यापार संघ (Mechanics Union of Trade Association of Philadelphia) का गठन हुआ। बाद में 15 प्रकार के श्रमिकों ने इस से मिलकर कार्य करना प्रारम्भ किया। 1832 ई० के चुनाव में श्रमिकों ने अपना उम्मीदवार भी खड़ा किया। इनके कुछ उम्मीदवार विजयी भी हुए। श्रमिकों की प्रथम राष्ट्रीय सभा 1833 ई० में बुलाई गई। 1834 ई० में बनायें गये श्रमिकों के बहुत सारे संगठन 1837 ई० में समाप्त हो गये। सन् 1842 ई० तक अमेरिका में किसी भी प्रकार के संयोजन अवैध थे। फलतः अब तक श्रमिक संघ भी अवैध ही रहे थे।

4. 'उष्ण वायु काल' → अमेरिकी श्रमिक संघ के इतिहास का चतुर्थ काल 'उष्ण वायु' काल कहा जाता है। जो सन् 1842 से 1860 तक था। इस काल में ही गरीबों के

गरीबी को कम करने के लिए नि: शुल्क भू-अनुदान की माँग की गई। अमेरिका के लिए 1840 ई० का दशक ऐसी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक भावनाओं और उन्माद का काल था जिसका इसके पूर्व कभी अनुभव नहीं किया गया था। इस काल तक श्रमिक-आन्दोलन मुख्यत: काम के घंटों को लेकर होता रहा था, मजदूरी के प्रश्न को लेकर नहीं।

इस प्रकार गृह-युद्ध के पूर्व तक वास्तव में अमेरिका में श्रम-संगठन का उचित रूप से विकास नहीं हो पाया था।

5. पुनरुत्थान काल :- यह काल सन् 1860 से 1914 तक चलता रहा। गृह-युद्ध के तुरन्त बाद श्रमिकों की अवस्था में हीनता आ गई थी क्योंकि —

(i) गृह-युद्ध के बाद अमेरिका में स्फीति आ गई थी जिसके कारण वास्तविक मजदूरी में ह्रास हो गया था।

(ii) यंत्रों के व्यवहार में असाधारण वृद्धि हुई थी जिसके कारण बेकारी की समस्या उत्पन्न हो गयी थी।

(iii) विदेशों से अधिक संख्या में आवासितों का आगमन होता आ रहा था। फलत: बेकारी की समस्या में और भी गंभीरता आ

गई थी।

(iv) गृह-युद्ध के पश्चात् विशालकाय निगमों का विकास हुआ था जिसके कारण श्रमिकों एवं नियोजकों में आपसी सम्पर्क कम हो गया क्योंकि यह स्वाभाविक है कि श्रमिकों एवं नियोजकों के बीच जो सम्पर्क लघु संस्थानों में हो सकता है वह विशालकाय संस्थानों में सम्भव नहीं।

उपर्युक्त विभिन्न कारणों से श्रमिक संघवाद का पुनरुत्थान हुआ। राष्ट्रीय आधार पर कुछ विभिन्न श्रमिक संघ बनाये गए। जिसे राष्ट्रीय श्रमिक-संघ कहा गया। इसकी तीन माँगे थी :—

(i) प्रतिदिन 8 घंटे का काम,
(ii) सहकारी समितियों का विकास,
(iii) ब्याज दर में कमी।

सन् 1869 ई० में (Knights of Labour) प्रारम्भ हुए थे। ये आदर्शवादी संघ थे। नाइट्स ऑफ लेबर अत्यन्त ही जनप्रिय हो गए और सन् 1880 के दशक के प्रारम्भिक वर्षों में इन्होंने श्रमिक आन्दोलन पर अपना प्रभुत्व जमा लिया। किन्तु स्वार्थों की विभिन्नता एवं एकता का अभाव इसके लिए काफी बड़ा घातक सिद्ध हुआ। 1887 ई० के बाद नाईट्स ऑफ लेबर का तीव्र पतन हो गया

अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर नाइट्स में आपसी मतभेद का परिणाम था। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर के उद्देश्य नाइट्स के अपेक्षा अधिक यथार्थवादी थे। 1930 ई० की भयानक आर्थिक मन्दी के समय तक यह संगठन श्रमिकों के प्रमुख देशव्यापी संगठन के रूप में कार्य करता रहा। किन्तु 1935 ई० में इसका विभाजन हो गया तथा जॉ० एल० लेविस की अध्यक्षता में एक नये संगठन – औद्योगिक संगठन समिति की स्थापना की गई।

6. परिपक्वता काल :→ वर्तमान काल :-

प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अमेरिकी श्रमिक संघ आन्दोलन का वर्तमान काल प्रारम्भ होता है जिसे अमेरिकी श्रमिक आन्दोलन का परिपक्वता काल कहा जाता है। न्यू डील कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रमिक संगठनों को और अधिक सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया गया। National Industrial Recovery Act (NIRA) के अन्तर्गत श्रमिकों को अपने प्रतिनिधियों के द्वारा सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार दिया गया। सन् 1938 ई० में औद्योगिक संगठन समिति ने औद्योगिक संगठन कांग्रेस के नाम से स्थायी रूप ले लिया। किन्तु युद्धोत्तर काल में इन्होंने जनता का विश्वास खो दिया और यह तर्क दिया जाने लगा कि नियोजक तथा नियोक्ता के बीच संतुलन स्थापित करने के

लिए 1947 ई० के Taft Hartley Act जैसे अधिनियम पारित किए गए।

क्रमशः!

धन्यवाद

...